Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 23-11-2006

Participants : Aditya Nath Shri

>

Title: Need to include Bhojpuri language in the Eighth Schedule to the Constitution.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : महोदय, विश्व की सबसे बड़ी बोली भोजपुरी लगभग 70 हजार वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में है 16 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। उ0प्र0, बिहार, मध्य प्रदेश तथा झारखण्ड में इसका प्रयोग व्यापक है। नेपाल के तराई क्षेत्र, मारीशस, फिजी, ट्रिनिडाड, थाईलैंड, हालैण्ड, मलेशिया तथा सिंगापुर सहित 27 देशों में भी इसका व्यापक आधार है। ऋग्वेद में महर्षि विश्वामित्र द्वारा ' भोज'शब्द जिससे भोजपुरी बनी, का उल्लेख तो है ही, महाभारत सहित विभिन्न धर्म-ग्रंथों से होते हुए माल वा के राजा भोज, उज्जैन के भोज, गुर्जर प्रतिहार भोज, काशी ति डुगराँव के भोज राजाओं का इतिहास भोजपुरी की व्यापकता, ि वशालता और प्राचीनता का गवाह है।

संत साहित्यकारों चौरंगीनाथ जी, गोरखनाथ जी, भतृहरि, कबीरदास, कमलदास, धरमदास, पलटूदास, भाखा साहेब जैसे सैंकड़ों विचारकों और चिन्तकों ने अपनी लोक कथाओं, गीतों, लोक गाथाओं और लोकोक्तियों से भोजपुरी को पीढ़ी दर पीढ़ी एक कंठ से दूसरे कंठ तक पहुंचाया। महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, डॉ भगवतशरण उपाध्याय, और चतुरी चाचा जेसे रचनाकारों ने भोजपुरी गद्य साहित्य को नयी ऊंचाईयां प्रदान कीं।

महोदय, जैसाकि विदित है भारतीय संविधान के मूल रूप में 14 भााएं ही आठवीं सूची में थीं। बाद में इसमें संशोधन कर सिन्धी, कोंकणी, नेपोली, मैनपुरी, मैथिल, डोंगरी, संथाली और बोडा को भी शामिल कर लिया गया। भोजपुरी संस्कृति इन सभी भााओं का आदर करते हुए यह जानना चाहती है कि जिस वजह से इन बोलियों को इस सूची में शामिल किया गया उनमें से क्या कोई एक भी तत्व ऐसा है जिसे भोजपुरी पूरी न करता हो।

महोदय, मेरा सरकार से अनुरोध है कि 16 करोड़ लोगों की भावनाओं को समझते हुए भोजपुरी को तत्काल आठवीं सूची में शामिल किया जाये।